राजस्थान पत्रिका, 3 नवम्बर, 2018

# लाइफ साइंस इंजीनियरिंग पर सम्मेलन

**पिलानी.** बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस (बिट्स) में लाइफ साइंस इंजीनियरिंग एवं एल्लाइड विज्ञान में अंतर विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। संस्थान के जीव विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में आइआइएसइआर पुणे के निदेशक प्रोफेसर जयंत उदगांवकर मुख्य अतिथि थे। टैलएवीव विश्व विद्यालय के प्रो. योसी शचेम, बिट्स कुलपति प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य, निदेशक प्रोफेसर अशोक कुमार सरकार, प्रशासनिक अधिकारी प्रो. एस के वर्मा विशिष्ट अतिथि थे। अतिथियों ने प्रयॉन प्रोटोन के एकत्रीकरण के अव्यवहारिक तंत्र पर चर्चा करते हुए रोग पैदा करने में इसकी भूमिका को विस्तार से समझाया। वक्ताओं ने विज्ञान एवं इंजीनिरियरिंग विषयों के मध्य इंटरफेस की आवश्यकता पर बल दिया। इससे पहले सम्मेलन संयोजक प्रो. प्रभात नाथ झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के आयोजन से जुड़ी जानकारी दी। सम्मेलन में कोर लाइफ विज्ञान, फार्मास्यूटिकल विज्ञान, बॉयोसेन्सर, इमेजिंग और डायोग्नॉस्टिक, बॉयोमैटिरियल सहित विषयों पर चर्चा होगी। सम्मेलन में इजराइल, यूएयए, फिलिपींस, एवं कोरिया सहित देशों के विषय विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

दैनिक अंबर, 3 नवम्बर, 2018

# तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन (एल.एस.आर.आई.ई.ए.एस) का आयोजन

**दैनिक अंबर**

**पिलानी(कैलाशपति)।** बिट्स पिलानी परिसर में जीवी विज्ञान विभाग द्वारा लॉइफ सांइस, इंजीनियरिंग और एल्लाइड विज्ञान में अंतः विषय सहयोग और अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए बिट्स पिलानी परिसर में जीव विज्ञान और अंतः विषय विज्ञान में अनुत्तरित प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए और उसे समझने के उद्देश्य से जीवी विज्ञान के विभिन्न धाराओं से जुड़े हुये शोधकर्ताओं को एक साथ लाने के प्रयास और उन्हें सफल बनाने के लिए बिट्स पिलानी परिसर के जीवी विज्ञान विभाग द्वारा तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन (एल. एस. आर. आई. ई. ए. एस) का आयोजन किया गया है। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन समारोह न्यू एकेडमिक ब्लॉक के सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर जयंत उदगांवकर, निदेशक, आई. आई. एस. ई. आर, पुणे और विशिष्ट के अतिथि प्रोफेसर योसी शचेम, टैलएवीव यूर्निवसिटी थे। तथा सम्मेलन का शुभारंभ सरस्वती वंदना और मेहमानों द्वारा दीप प्रज्वलित से हुआ। कुलपती बिट्स पिलानी प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य, निदेशक पिलानी परिसर प्रोफेसर अशोक कुमार सरकार, प्रशासनीक अधिकारी प्रो एस.के.वर्मा, प्रोफेसर ए. के दास, जीवी विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रभात नाथझा जो सम्मेलन के लिए संयोजन भी कर रहे है, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, संकाय सदस्य,शोध विद्वान और बिट्स पिलानी के छात्र भी हैं इस अवसर उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रोफेसर एसके भी उपस्थित थे। प्रोफेसर ने अतिथियों का स्वागत किया और जीवी विज्ञान विभाग और सम्मेलन में सभी को अवगत कराया। अपने मुख्य व्याख्यान में, प्रोफेसर जयंत उदगांवकर ने प्रयॉन प्रोटीन के एकत्रीकरण के अव्यवहारिक तंत्र पर चर्चा की,जो कि रोग पैदा करने वाले एजेंट हैं। प्रोसौविक भट्टाचार्य ने विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों के बीच इंटरफेस की आवश्यकता पर चर्चा की और मशीनरी और उनके जीवन चक्र के अनुमानित मूल्यांकन के साथ-साथ कंप्यूटर वैज्ञानिकों के अत्यधिक महत्व में 'डिजिटलयुग्म' का उदाहरण दिया। प्रोफेसर सरकार ने इस तथ्य को उजागर करते हुए कहा कि बिट्स पिलानी ने हमेशा जैविक विज्ञान के महत्व को पहचाना, उन्होंने दोहरी डिग्री कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे शैक्षणिक योजना में विषय दृष्टिकोण की ओर इशारा किया। इसके बाद सम्मेलन में आये अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रस्तुत करके सम्मेलन सार पुस्तक का अवलोकन किया। सम्मेलन के दौरान को लाइफ विज्ञान, फार्मास्यूटिकल विज्ञान, बॉयोसेन्सर, इमेजींग और डॉयोग्नॉस्टिक, बॉयोमैटिरियल और बॉयोमैकेनिक्स आदि जैसे विभिन्न विषयों के तहत चर्चा और प्रस्तुतियां होंगी। इस सम्मेल में इजराइल, यू. एस. ए, फिलीपींस, ताइवान और कोरिया के प्रतिभागी शामिल हैं। प्रोफेसर विशाल सक्सेना ने सम्मेलन से सम्बन्धित अन्य जानकारी प्रतिभागियों को दी।

सीमा सन्देश, 3 नवम्बर, 2018

## बिट्स पिलानी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एल.एस.आर.आई.ई.ए.एस-2018 का आयोजन

# विज्ञान और इंजीनियरिंग के कई विषयों पर चर्चा

**पिलानी।** बिट्स पिलानी परिसर में जीव विज्ञान विभाग द्वारा लॉइफ साइंस, इंजीनियरिंग और एल्लाइड विंज्ञान में अंर्तःविषय सहयोग और अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए अनुत्तरित प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए और उसे समझने के उद्देश्य से जीव विज्ञान के विभिन्न धाराओं से जुड़े शोधकर्ताओं को एक साथ लाने के प्रयास और उन्हें सफल बनाने के लिए तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 1-3 नवम्बर (एल.एस.आर.आई.ई.ए.एस-2018) का आयोजन किया गया है।

सम्मेलन का उद्घाटन समारोह न्यू एकेडमिक ब्लॉक के सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर जयंत उदगांवकर, निदेशक, आई.आई.एस.ई.आर, पुणे और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर योसी शचेम, टैलएवीव यूनिर्वसिटी थे। कुलपति बिट्स पिलानी प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य, निदेशक पिलानी परिसर प्रोफेसर अशोक कुमार सरकार, प्रशासनिक अधिकारी प्रो एस.के. वर्मा, प्रोफेसर ए के दास, जीव विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभातनाथ झा, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, संकाय सदस्य, शोध विद्वान और बिट्स पिलानी के छात्र भी उपस्थित थे। प्रोफेसर एस के भी उपस्थित थे।

प्रोफेसर झा ने अतिथियों का स्वागत किया और जीव विज्ञान विभाग और सम्मेलन की थीम से सभी को अवगत कराया। अपने मुख्य व्याख्यान में, प्रो. जयंत उदगांवकर ने प्रयॉन प्रोटीन के एकत्रीकरण के अव्यावहारिक तंत्र पर चर्चा की, जो रोग पैदा करने वाले एजेंट हैं। प्रो. सौविक भट्टाचार्य ने विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों के बीच इंटरफेस की आवश्यकता पर चर्चा की और मशीनरी और उनके जीवन चक्र के अनुमानित मूल्यांकन के साथ-साथ कंप्यूटर वैज्ञानिकों के अत्यधिक महत्व में 'डिजिटल युग्म' का उदाहरण दिया।

प्रोफेसर सरकार ने इस तथ्य को उजागर करते हुए कहा कि बिट्स पिलानी ने हमेशा जैविक विज्ञान के महत्व को पहचाना, उन्होंने दोहरी डिग्री कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे शैक्षणिक योजना में अंतःविषय दृष्टिकोण की ओर इशारा किया। इसके बाद सम्मेलन में आये अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रस्तुत करके सम्मेलन सार पुस्तक का अवलोकन किया।